PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Hindustan, Delhi
Wednesday 4th November 2015, Page: 17
Width: 16.98 cms, Height: 7.48 cms, a4, Ref: pmin.2015-11-04.24.103

आयुर्वेदिक नुस्खों से नई दवाएं बनाने में जुटा

नई दिल्ली | मदन जैड़ा

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) आयुर्वेद के पुराने फार्मूलों को परखकर उनसे नई दवाएं बनाने की योजना पर कार्य कर रहे हैं।

इस दिशा में अब तक दो दवाओं के मामले में सफलता मिली है। जबकि एक दर्जन दवाओं पर शोध चल रहा है। सीएसआईआर के लखनऊ स्थित राष्ट्रीय वनस्पति विज्ञान संस्थान, पालमपुर स्थित हिमालयन वनस्पति शोध केंद्र एवं लखनऊ स्थित प्रयोगशाला सीमैप कार्य कर रहे हैं।

इसके अलावा सीएसआई ने लेह में भी जड़ी बूटियों पर शोध के लिए नए केंद्र की स्थापना की है। जबकि डीआरडीओ की लेह स्थित प्रयोगशाला इस दिशा में कार्य कर रही है।

डीआरडीओ की पहल

- परंपरागत दवाओं का क्लिनिकल ट्रायल कर वैज्ञानिकता परखेंगे
- करीब एक दर्जन दवाओं पर हो रहे हैं दोनों महकमों में शोध

डीआरडीओ के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार उनके द्वारा विकसित सफेद दाग की दवा को एमिल फार्मास्युटिकल ने कुछ समय पूर्व बाजार में उतारा था।

अब तक तीन लाख लोगों का सफलतापूर्वक उपचार किया जा चुका है। एमिल के प्रबंध निदेशक केके शर्मा के अनुसार इसका श्रेय डीआरडीओ को जाता है क्योंकि यह दवा सिर्फ आयुर्वेद के फार्मूले पर नहीं है बल्कि इसे डीआरडीओ ने आधुनिक साइंस की कसौटी पर भी परखा है। इसलिए इसके नतीजे प्रभावी हैं। शर्मा के अनुसार अब वे सीएसआईआर द्वारा विकसित जिस मधुमेह की दवा बीजीआर 34 को बाजार में ला रहे हैं, उसे लेकर भी हमें काफी उम्मीदें हैं। यह अब तक की सबसे प्रभावी दवा साबित होगी। इस दवा के भी पशुओं पर परीक्षण हुए हैं।

मेथी और विजयसार से बनी इस दवा में कई और तत्व भी डाले गए हैं जिससे यह शरीर के प्रतिरोधक तंत्र में तो सुधार करती है। साथ में इसमें एंटी ऑक्सीडेंट जैसे तत्व भी हैं जो शरीर को स्फूर्ति प्रदान करते हैं। सीएसआईआर ने रायल्टी शेयरिंग में यह दवा अभी एमिल को सौंपी है।

DRDO/CSIR trying to derive Ayurveda based drugs

R&D